आओ चलो स्कूल चलें हम

हम कौन थे? हमारे आबा–व-अज़्दाद कौन थे? और आज हम कहां हैं और किन हालात में हैं? इसके लिए कौन ज़िम्मेदार है? कभी हम किसी को अपनी बदहाली का ज़िम्मेदार ठहराते है तो कभी किसी और को। लेकिन हम ठंडे मन से एक मिनट गौर करेंगे तो हम पाएंगे की इस बदहाली का ज़िम्मेदार कोई और नहीं हम खुद ही हैं। देश में हमारे पिछड़ेपन की सबसे बड़ी वजह शिक्षा की कमी है। हमने ख़ुद को और अपने बच्चों को इल्म से दूर कर लिया है - दीन और दुनिया दोनों तरह के इल्म से। हमे हाफिज़, क़ारी, मुफ्ती चाहिए साथ मे एक ईमानदार डॉक्टर, इंजीनियर, जज, पुलिस ऑफिसर भी चाहिए।

आप किसी भी सरकारी दफतर में जाते हैं लेकिन अपने बीच का एक भी अधिकारी न पाकर उदास हो जाते हैं। आप इस बात पर गौर करें और सोंचें की जब हमने अपने बच्चों को स्कूल भेजा ही नहीं तो वे इन दफतरों में अफसर बन कर कहां से पहुंच जाएगें। हर जगह हमारी पन्चर लगाने की दुकान एंव स्कूटर मैकेनिक की दुकान तो है लेकिन कार, मोटर साइकिल या टायर का शोरूम नहीं है। ऐसा क्यों है? इसकी सिर्फ एक ही वजह है और वह है हमारी समाज में तालीम की कमी। यह एक ऐसा काम है जिसके लिए हमें किसी के आगे गिड़गिड़ाने की या हाथ फैलाने की ज़रूरत नहीं। सिर्फ हमें अपने ज़मीर को जगाना है और अपने बच्चों को स्कूल का रास्ता दिखाना है। हमें जो हालात से समझौता करने की आदत पड़ गई है उससे बाहर निकलना है। इस मक़सद को हासिल करने के लिए हमें समाज के हर वर्ग के साथ मिलकर आगे बढ़ना है, विकास में भागीदार बनना है, अपने समाज और देश का नाम रोशन करना है।

किसके इंतेज़ार में बैठे हो? कौन अलग से आ रहा है तुम्हारी मदद के लिए? तुम्हारी हालात को सुधारने के लिए? खुद उठो, इरादा पक्का करो, जुनून पैदा करो और कसम खाओ कि हर हाल में अपने बच्चों को पढ़ायेंगे। चाहे इस काम में जितनी भी दुश्वारी का सामना करना पड़े करेंगे पर रुकेंगे नही। सौ के सौ फ़ीसद बच्चों को स्कूल पहुंचायेंगे। आधी रोटी खाएंगे और बच्चों को पढ़ाएंगे। अपने बच्चों के साथ - साथ अपने आस पास के बच्चों को भी स्कूल भेजने के लिए हौंसला बढ़ाएंगे।

इन्हीं सारी फिक्र को लेकर **मिशन तालीम** के वालांटियर पूरे एनसीआर में अलग - अलग जगह पर जाकर मां - बाप और बच्चों से मीटिंग कर उनका हौसला बढ़ाते हैं। तरह- तरह के कोर्स में एडमिशन की जानकारी देते हैं। समय समय पर निकलने वाली स्कॉलरशिप / वज़ीफ़ा की जानकारी देते हैं। क्या आप जानते हैं कि 01-01-2016 से केन्द्र सरकार की सभी नौकरियों,सैन्ट्रल, पीएसयू NTPC, IOC HPCL जैसी 293 भारत सरकार की कम्पनियों एवं सभी सरकारी बैंकों वगैरह में (गजेटेड पोस्ट को छोड़कर) interview खत्म कर दिया गया है। अगर आपका बच्चा written test में अच्छे नम्बर लाता है तो उसे सरकारी नौकरी हासिल करने से कोई नहीं रोक सकता। यह सभी जानकारी हमारी वेबसाइट www.missiontaaleem.org; www.facebook.com/MissionTaaleem पर भी उपलब्ध है।

तो आइए अपने इस मिशन में शामिल होइए और सौ के सौ फ़ीसद बच्चों को स्कूल भेजने की क़सम खाएं।

आपका

एकरामुल हक़, राष्ट्रीय संयोजक, मिशन तालीम